बी.ए सेम-1 & 2

पेपर -1 से 4 का आउट कम

- खंडकाव्य का स्वरूप और उनके लक्षण से परिचित हों।
- छात्र हिंदी पद्य एवं उसके रचनाकार से परिचित होंगे|
- कर्ण के जीवन से अपने आत्मबल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा प्राप्त करें|
- जीवन में मित्रता का महत्व समजे|
- हिन्दी के आधुनिक कहानीकार और उनकी कहानी की नूतन विषय वस्तु का ज्ञान प्राप्त करें।

बी.ए सेम-3 & 4

पेपर -5 से 10 का आउट कम

- हिंदी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन इतिहास का परिचय प्राप्त करें|
- हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के तृतीय उत्थान काल छायावाद और उसकी परिस्थितियों का परिचय प्राप्त करें|
- हिन्दी के आधुनिक कहानीकार और उपन्यास तथा उनकी नूतन विषय वस्तु का ज्ञान प्राप्त करें।
- छायावाद के आधारस्तंभ जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, निरालाजी और महादेवी के व्यक्तितव और कृतित्व का परिचय प्राप्त करें|
- छायावादी काव्य की विशेषताओ से परिचित हों|
    - हिंदी साहित्य के आदिकाल की परिस्थिति, प्रवृति और समस्याओ से परिचित हों|
    - हिंदी साहित्य के सुवर्णयुग भक्तिकाल के उत्कृष्ट कवि और उनके साहित्य का परिचय प्राप्त करें|
    - कबीर के बहुआयामी व्यक्तित्व, तुलसीदास के उत्कृष्ट कोटी के राम साहित्य, सूरदासजी का भवविभोर करनेवाला कृष्ण काव्य तथा सूफी कवि जायसी एस काव्य से परिचित हो|
    - रीतिकालीन कवियों का परिचय प्राप्त करें|
    - हिंदी कहानी, उपन्यास, नाटक और समालोचना के उद्भव और विकास तथा उसके स्वरूप से परिचित हो|

बी.ए सेम-5 & 6

पेपर -11 से 22 का आउट कम

- रीतिकालीन साहित्यकार तथा उनकी कृति की सुंदरता का परिचय प्राप्त करें।
- आधुनिकयुग के उपन्यास और उपन्यासकार तथा उसकी विषयवस्तु से परिचित हों ।
- काव्य शास्त्र के अन्तर्गत काव्य के लक्षण, प्रकार, गुण-दोष आदि का परिचय प्राप्त करें|
- रस, अलंकार, ध्वनि, छंद, वक्रोक्ति, जैसे भारतीय काव्य सिद्धांतों का परिचय प्राप्त करें| काव्य सिद्धांतों का महत्व समजे तथा पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों के बारे में जाने ।
- प्रादेशिक साहित्य के साथ साथ भारतीय सविधान से परिचित हों।
- हिन्दी व्याकरण तथा उसके प्रयोजनमूलक रूप की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें।
- प्राचीन, मध्यकालीन, आधुनिक आर्यभाषाओ का परिचय प्राप्त करें|
- राजभाषा हिंदी की प्रकृति से परिचित हों|
- संपर्क भाषा के रूप में तथा कम्प्यूटर एवं भूमंडलीकरण के पारिप्रेक्ष्य में हिंदी का महत्व समजे|
- राजभाषा विषयक साविधानिक प्रावधान से परिचित हों|

❖ एम.ए सेम-1 से 4

❖ **पेपर -1 से 20 का आउट कम**

- ❖ प्राचीन, मध्यकालीन साहित्यकार तथा उनकी कृति की सुंदरता का परिचय प्राप्त करें।
- ❖ भारतीय काव्य सिद्धांतों और पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करें। काव्य सिद्धांतों और वादों के बारे में जानकारी प्राप्त करें ।
- ❖ हिंदी के प्रयोजनमूलक रूप के साथ कंप्यूटर , इंटरनेट सोफ्टवेरे समाचार, रेपोर्टिंग ,मीडिया , अनुवाद , जनसंचार से परिचित हों। दृश्य-श्राव्य माध्यम लेखन और संचार के विविध रूप और तकनीक से परिचित हों।
- ❖ महाकाव्य का स्वरूप और उनके लक्षण से परिचित हों।
- ❖ आधुनिकयुग के हिन्दी कवि और उनकी कृति की विषय वस्तु का परिचय प्राप्त करें।
- ❖ हिंदी साहित्य के प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक काल के इतिहास का परिचय प्राप्त करें तथा विशिष्ट युग प्रवृति का अध्ययन करें तथा आधुनिकयुग की गद्य विधा तथा प्रवासी साहित्य को समजे।
- ❖ भाषा और भाषाविज्ञान के विविध अंग , उनके भेद , अध्ययन की उपयोगिता , प्राचीन, मध्यकालीन तथा आधुनिकयुग भारतीय भाषा , देवनागरी लिपि, स्वर , व्यंजन और हिन्दी भाषा के विविध रूपों का परिचय प्राप्त करें।
- ❖ भारतीय साहित्य के अंतर्गत तमिल, मलयालम, गुजरती, बंगाली साहित्यकार तथा उनकी कृति से परिचि हों।
- ❖ प्रेमचंदयुगिन तथा प्रेमचंदोतरयुगीन उपन्यास की विषय वस्तु तथा लोकसाहित्य और आदिवासी विद्रोह को जानें।
- ❖ इलेक्ट्रोनिक तथा इंटरनेट की पत्रकारिता , लोकसंपर्क तथा विज्ञापन की जानकारी प्राप्त करें।